# B.Com. Second Year Examination, 2011
## Commerce-II Income-Tax

**Time : 3 Hours]** **(C-202)** **[M.M. : 50**

नोट : इस प्रश्न-पत्र को तीन खण्डों—अ, ब तथा स में विभाजित किया गया है। खण्ड-अ में विस्तृत-उत्तरीय प्रश्न, खण्ड ब में लघु-उत्तरीय प्रश्न तथा खण्ड स में अति लघु-उत्तरीय प्रश्न हैं। सभी खण्डों को निर्देशानुसार हल करें।

### खण्ड-अ (Section-A)

इस खण्ड में छः प्रश्न हैं, किन्हीं तीन प्रश्नों को हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित है।

This section contains six questions, attempt any three questions. Each question carries 10 marks. Answer must be descriptive.

1. "पूंजी सम्पत्ति के हस्तान्तरण" से आप क्या समझते हैं ? कौन से व्यवहार हस्तान्तरण नहीं माने जाते हैं ? वर्णन करो।
What do you understand by "Transfer of Capital Asset"? State which transactions are not regarded as transfer ?

2. "किसी भी शीर्षक की चालू वर्ष की हानि अन्य शीर्षक की आय से पूरी की जा सकती है।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए एवं इसके अपवाद बताइये। "Loss under one head of income can be set-off against the income under other heads during the same assessment year." Explain this statement and state its exceptions.

3. श्री रमेश सैनी 11000 रु० मासिक वेतन पर एक ट्रांसपोर्ट कम्पनी में मैनेजर हैं। कम्पनी की ओर से उन्हें दिल्ली में एक आवास मिला हुआ है जिसके लिए उनके वेतन का 10% काटा जाता है। आवास का वास्तविक किराया कम्पनी ने 54000 रु० वार्षिक चुकाया है। वह 500 रु० मासिक की दर से मनोरंजन भत्ता भी प्राप्त कर रहा हैं। कम्पनी ने उन्हें एक बड़ी कार आफिस तथा व्यक्तिगत प्रयोग के लिए दे रखी है। लेकिन उस कार के निजी प्रयोग के व्यय श्री सैनी को स्वयं ही वहन करने पड़ते हैं। श्री सैनी के परिवार के सदस्य कम्पनी की बसों में अनेक स्थानों पर भ्रमण के लिए गये। इसके लिए कम्पनी ने उनसे कोई किराया वसूल नहीं किया है। हिसाबी गतवर्ष में इन सब भ्रमणों-देशाटनों का सकल किराया 7200 रुपये निर्धारित किया गया है। उन्होंने दो माह के वेतन की राशि के बराबर बोनस तथा 300 रु० प्रति माह की दर से अपने एक बच्चे के लिए शिक्षा भत्ता प्राप्त किया।

कीजिए। How is the total income of a firm computed ? Discuss in brief the provisions of Income-Tax Act in this respect.

5. डा० देवेन्द्र दत्त दो मकानों के स्वामी हैं जिनमें से एक, जिसका नगरपालिका मूल्यांकन 20,000 रु० हैं, वह अपने रहने के लिए प्रयुक्त करते हैं तथा दूसरा, जिसका नगरपालिका मूल्यांकन 32,000 रु० है, उन्होंने 4,000 रु० प्रति माह किराये पर उठा दिया है। इन दोनों मकानों के व्यय निम्नलिखित हैं :
नगरपालिका कर 2600 रु०, किराये पर उठे मकान की मालगुजारी 1,000 रु०, किराये पर उठे मकान की मरम्मत कराने के लिए प्राप्त ऋण पर ब्याज 3,000 रु०, दोनों मकानों का अग्नि बीमा प्रीमियम 2,000 रु०।
उनकी कर-निर्धारण वर्ष 2009-10 के लिए 'मकान-सम्पत्ति' शीर्षक की गणना कीजिए।
Dr. Devendra Dutt is the owner of two houses. One of which the municipal valuation is Rs. 20,000 is occupied by him for his own residence and the other, of which the municipal valuation is Rs. 32,000 is let-out at Rs. 4,000 per month. The expenses of both the houses are following :
Municipal Taxes Rs. 2600, Land Revenue for the let out house Rs. 1,000, Interest on loan taken to repair for the let out house Rs. 3,000, Fire Insurance Premium for the houses Rs. 2000.
Compute his income for house property head for the assessment year 2009-10.

6. श्री नरेन्द्र एक कपड़ा व्यापारी है। 31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष के लिए निम्न लाभ-हानि खाते से कर निर्धारण वर्ष 2009-10 के लिए उसकी व्यापार से आय तथा उसकी सकल कुल आय ज्ञात कीजिए: Mr. Narendra is a cloth merchant. From the following Profit and Loss A/C for the year ended 31st March, 2009 compute his income from business and his Gross Total Income for the assessment year 2009-10 :

| | रु० | | रु० |
|---|---|---|---|
| वेतन तथा मजदूरी Salaries and Wages | 30,000 | सकल लाभ Gross Profit | 1,90,000 |
| किराया तथा कर Rent and Taxes | 4,000 | अंशों पर लाभांश (सकल) Devidend on Share (Gross) | 4,000 |
| घरेलू व्यय Domestic Expenses | 2,500 | किराये पर उठाये मकान का किराया | |
| आयकर Income Tax | 1,200 | Rent from building let out | 10,000 |
| डाक व्यय Postal charges | 1,500 | | |
| दान Donation | 2,500 | | |
| जीवन बीमा प्रीमीयम Life Insurance Premium | 2,000 | | |
| अंकेक्षण शुल्क Audit Fees | 1,500 | | |
| संदिग्ध ऋणों हेतु संख्या Bad Debts Reserve | 1,800 | | |
| डूबत ऋण Bad Debts | 2,500 | | |
| ह्रास Depreciation | 5,000 | | |
| शुद्ध लाभ Net Profit | 1,49,500 | | |
| | 2,04,000 | | 2,04,000 |

अन्य सूचनाएँ : (Other Informations) :

(अ) किराया एवं कर में किराये पर उठाये गये भवन के नगरपालिका कर के 1,500 रु० शामिल हैं।
Rent and Taxes include Rs. 1,500 paid as Municipal Tax on building let out.

(ब) जीवन बीमा पालिसी 18,000 रु० की है। Value of Life Insurance Policy is Rs. 18,000.

(स) दान एक मान्यता प्राप्त संस्था को दिया गया है। Donation was given to an approved institution.

(द) स्वीकृत ह्रास 3,000 रु० है। Premissible Depreciation is Rs. 3,000.

## खण्ड-ब (Section-B)

इस खण्ड में तीन प्रश्न हैं, किन्हीं दो को हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

This section contains three questions, attempt any two questions. Each question carries 5 marks.

7. "आयकर भार एक करदाता की निवासीय स्थिति पर निर्भर करता है।" विवेचना कीजिए।
"The incidence of income-tax depends upon the residential status of an assessee" Discuss.

8. निम्नलिखित के सम्बन्ध में आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों की विवेचना कीजिए।
Discuss the provisions of Income Tax Act, 1961 regarding the following:
(i) किरायामुक्त आवास। Rent free Accommodation.
(ii) मोटर कार की सुविधा। Facility of Motor-Car.

9. अग्रिम कर भुगतान से क्या आशय है ? इस प्रकार का कर कब चुकाया जाता है ?
What do you mean by Advance Payment of Tax? When such a tax is to be paid?

## खण्ड-स (Section-C)

इस प्रश्न के पाँच भाग हैं, सभी पाँच भागों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग 2 अंक का है।

10. Write the short notes on the following:

**(i) आकस्मिक आय। Casual Income.**

**उत्तर**—आकस्मिक आय वह होती है, जो अचानक भाग्यवश अथवा अनिश्चित समय पर बिना आशा के प्राप्त होती है। आकस्मिक आय कुल आय में शामिल की जाती है और उस पर कर लगता है। उदाहरणार्थ—लाटरी, वर्ग-पहेली, दौड़, जुएँ आदि से प्राप्त आय।

**(ii) अशोधित ह्रास। Unabsorbed Depreciation.**

**उत्तर**—किसी गत वर्ष में व्यापार अथवा पेशे के कर योग्य लाभ न होने के कारण अथवा कम होने के कारण पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से स्वीकृत ह्रास की कुल रकम घटायी जा सके उसे करदाता की अन्य कर योग्य आय से घटा देते हैं। यदि कोई अन्य आय न होने के कारण अथवा कम होने के कारण ह्रास की सम्पूर्ण राशि की कटौती मिल पाती है तो शेष बची हुई राशि को अशोधित ह्रास कहते हैं। अशोधित ह्रास को पूर्ति के लिए आगे ले जाया जा सकता है।

**(iii) मानी गयी आय। Deemed Income.**

उत्तर—अस्पष्ट विनियोग धन अथवा व्यय तथा न दिखायी गयी आयों को 'मानी गयी आयें' कहा जाता है। ये अग्रलिखित हैं तथा इन्हें करदाता की कुल आय में सम्मिलित किया जाता है— (1) नकद साख (2) पुस्तकों में बिना स्पष्ट किये गये विनियोग (3) बिना स्पष्ट किया गया व्यय, (4) विनियोग धन अथवा आय जो बहीखाते में पूर्णतया नहीं दिखाई गई है। (5) बिना A/c Pay cheque द्वारा हुण्डी पर लिये गये ऋण अथवा उसका भुगतान इत्यादि।

**(iv) चूक में करदाता। Assessee in Default.**

उत्तर—यदि कोई व्यक्ति इस अधिनियम के अन्तर्गत अपने उत्तरदायित्वों को पूरा नही करता जिसके कारण आयकर विभाग को क्षति होती है, तो ऐसे व्यक्ति को उस क्षतिपूर्ति हेतु 'चूक में करदाता' मान लिया जाता है।

**(v) उद्गम स्थान पर आयकर की कटौती। Deduction of Income Tax at sources.**

उत्तर—उद्गम स्थान की कर की कटौती से आशय है कि कोई व्यक्ति आय का भुगतान करते समय ही एक निर्धारित दर से काट कर शेष राशि का भुगतान आय प्राप्तकर्त्ता को कर दे तथा कर की राशि को सरकारी कोष में जमा कर दें। इस प्रकार उद्गम स्थान पर की गयी कर की कटौती को 'उद्गम स्थान पर कर की कटौती' कहा जाता है।